ISWK SHARING KNOWLEDGE

Class - VI

Subject- Hindi Second Language

Topic - साथी हाथ बढ़ाना

(कविता)

- Done By- Chitra

©ISWK

पाठ – साथी हाथ बढ़ाना (गीत)

गीतकार / Lyricist -साहिर लुधियानवी

पाठ परिचय (Introduction) - यह गीत 'नया दौर' (1957) फिल्म के लिए लिखा गया था | यह गीत आज़ादी के कुछ समय बाद लिखा गया था | यह गीत हमें मिल-जुलकर काम करने की प्रेरणा देता है | कवि ने इस गीत के द्वारा बताया है कि जब भी हम मिल–जुलकर काम करते हैं तो हर मुश्किल को आसानी से पार किया जा सकता सकता है |

साथी हाथ बढ़ाना

साथी हाथ बढ़ाना (गीत)

साथी हाथ बढ़ाना, साथी हाथ बढ़ाना
एक अकेला थक जाएगा मिल कर बोझ उठाना
साथी हाथ बढ़ाना |
हम मेहनत वालों ने जब भी, मिलकर कदम बढ़ाया
सागर ने रस्ता छोड़ा, परबत ने सीस झुकाया
फ़ौलादी हैं सीने अपने, फ़ौलादी हैं बाहें
हम चाहें तो चट्टानों में पैदा कर दें राहें
साथी हाथ बढ़ाना |
मेहनत अपने लेख की रेखा, मेहनत से क्या डरना
कल गैरों की खातिर की, आज अपनी खातिर करना
अपना दुख भी एक है साथी, अपना सुख भी एक
अपनी मंज़िल सच की मंज़िल, अपना रस्ता नेक
साथी हाथ बढ़ाना |

एक से एक मिले तो कतरा, बन जाता है
दरिया
एक से एक मिले तो ज़र्रा, बन जाता है सेहरा
एक से एक मिले तो राई, बन सकती है परबत
एक से एक मिले तो इंसाँ, बस में कर ले
किस्मत
साथी हाथ बढ़ाना |

साथी हाथ बढ़ाना (गीत)

साथी हाथ बढ़ाना

एक अकेला थक जाएगा, मिलकर बोझ उठाना

|

साथी हाथ बढ़ाना |

कठिन शब्द

साथी– दोस्त,मित्र / Friend

हाथ बढ़ाना– सहायता करना / To Help

अकेला– जब कोई साथ न हो / Alone

थक– थकना / Tired

मिलकर बोझ उठाना– मिल-जुलकर काम करना/ Work together

अर्थ– इन पंक्तियों में कवि ने लोगों को साथ मिलकर काम करने के लिए प्रेरित किया है |

कवि कहते है कि एक अकेला व्यक्ति काम करते हुए थक जाता है, यदि हम उसका साथ दें या उसकी सहायता करे तो उसके काम का बोझ काम हो जाएगा | इसलिए हमें आपस में मिल-जुलकर काम करना चाहिए |

हम मेहनत वालों ने जब भी, मिलकर कदम बढ़ाया
सागर ने रस्ता छोड़ा, परबत ने सीस झुकाया
फ़ौलादी हैं सीने अपने, फ़ौलादी हैं बाँहें
हम चाहें तो चट्टानों में पैदा कर दें राहें
साथी हाथ बढ़ाना |

कठिन शब्द

मेहनत वालों– मेहनत करने वाले लोग (Hard Workers)
कदम बढ़ाना– आगे चलना (Walk forward)
सागर– समुंद्र (Sea)
परबत– पहाड़ (Mountain)
सीस झुकाया– सिर झुकाना (Head Bow)
फ़ौलादी– मजबूत (Strong)
सीने– बाँहें (chest - arm)
चट्टान– कड़े पत्थर (Rock)
पैदा कर दें राहें– रास्ता निकल देना (Drive out)

अर्थ– जब भी मेहनती लोग काम करने के लिए आगे बढ़ते हैं, समुद्र में भी रास्ता निकल आता है, पर्वत को भी पार किया जा सकता है जिसका अर्थ है तब मुसीबतें भी पीछे हट जाती हैं | हमारी (मेहनती लोगों की) बाँहों में ताकत हैं हमारे सीने में हिम्मत हैं यदि हम चाहें तो हम सब कठोर पत्थरों को तोड़कर अपने लिए रास्ता निकाल सकते हैं | बस हमें मिलकर काम करने की जरूरत हैं |

मेहनती लोग मिलकर हर मुसीबत को पार कर सकते हैं |

मेहनत अपने लेख की रेखा, मेहनत से क्या डरना
कल गैरों की खातिर की, आज अपनी खातिर करना
अपना दुख भी एक है साथी, अपना सुख भी एक
अपनी मंज़िल सच की मंज़िल अपना रस्ता नेक
साथी हाथ बढ़ाना |

कठिन शब्द

मेहनत– परिश्रम (Hard Work)
लेख की रेखा– भाग्य में लिखा होना (Written in luck)
डरना– भयभीत होना (Fear)
कल– बीता हुआ दिन (Yesterday)
गैरों– पराये लोग (Other People)
खातिर– के लिए (For)
दुख-सुख (Sad happiness)
मंज़िल– लक्ष्य (Destination, Aim)
सच– सत्य (Truth)
रस्ता– राह (Way) नेक– अच्छा (good)

अर्थ – मेहनत द्वारा हम अपने भाग्य को भी बदल सकते हैं | इसलिए हमें मेहनत से नहीं डरना चाहिए कल तक यानी आज़ादी से पहले हमने दूसरों के लिए काम किया पर आज हमें अपने लिए मेहनत करनी है जिससे हमारा देश आगे बढ़े | हम सभी साथियों (मज़दूरों) का सुख-दुःख एक समान है | हमारा जो लक्ष्य है वो सच को प्राप्त करना हैं हमारी मंज़िल का रास्ता नेक (अच्छा) है | अपने लक्ष्य को पाने के लिए हमें मिल-जुलकर आगे बढ़ना चाहिए |

एक से एक मिले तो कतरा बन जाता है दरिया
एक से एक मिले तो ज़र्रा बन जाता है सेहरा
एक से एक मिले तो राई बन सकती है परबत
एक से एक मिले तो इंसाँ, बस में कर ले किस्मत
साथी हाथ बढ़ाना |

कठिन शब्द

कतरा– बूँद (Drop) दरिया– नदी (River)
ज़र्रा– कण (Particle)
सेहरा– रेगिस्तान (Desert)
राई– (Mustard seed)
परबत– पहाड़ (Mountain)
इंसाँ– आदमी (Human)
बस में करना– वश में करना |(ToControl)
किस्मत– भाग्य (Luck)

अर्थ – कवि कह रहे हैं कि पानी की एक-एक बूँद मिलने पर नदी बन जाती है | रेत का एक-एक कण मिलकर रेगिस्तान का रूप ले लेता है | राई का एक-एक दाना मिल जाए तो बड़ा पर्वत बन जाता है | अगर एक–एक आदमी मिलकर मेहनत करें तो अपने भाग्य (भविष्य) को भी बस में किया जा सकता है |

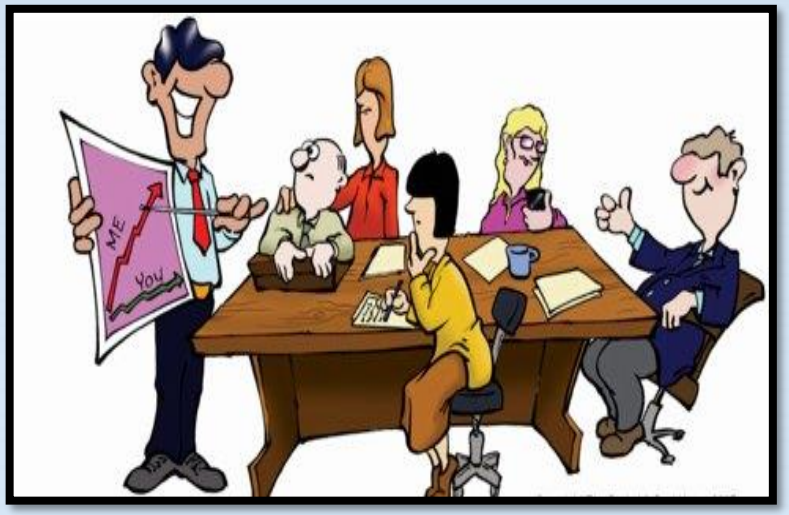

साथ मिल-जुलकर
किए जाने वाले काम

प्रश्नोत्तर

1 इंसान चाहे तो क्या कर सकता है ?

उत्तर:- इंसान चाहे तो चट्टानों में भी रास्ता निकाल सकता है |

2 हमारी मंजिल क्या है और हमारा रास्ता क्या है ?

उत्तर:- हमारी मंजिल सच की मंजिल है और हमारा रास्ता भलाई का रास्ता है |

3 किसके सहारे इंसान अपना भाग्य बना सकता है ?

उत्तर:- मेहनत के सहारे इंसान अपना भाग्य बना सकता है |

4 गीतकार कहाँ राहें पैदा करने की बात कह रहा है ?

उत्तर:- गीतकार चट्टानों में राहें पैदा करने की बात कह रहा है |

साथी हाथ बढ़ाना

प्रश्न- 5 साथी की मदद मिल जाने पर क्या फायदा होता है?
उत्तर - अगर साथी की मदद मिल जाए तो कठिन काम भी आसान हो जाता है।
प्रश्न -6 फौलादी शब्द का क्या अर्थ है ?
उत्तर- फौलादी शब्द का अर्थ है -लोहे की तरह मज़बूत।

प्रश्न -7 हमारी मेहनत का लाभ पहले किसे मिलता था ?
उत्तर - हमारी मेहनत का लाभ पहले विदेशियों को मिलता था।
प्रश्न- 8 पानी की एक-एक बूँद मिलकर क्या बन जाती है ?
उत्तर - पानी की एक-एक बूँद मिलकर नदी बन जाती है।

प्रश्नोत्तर

9 'सागर ने रस्ता छोड़ा, परबत ने सीस झुकाया'--- साहिर ने ऐसा क्यों कहा है?

उत्तर:- साहिर ने ऐसा इसलिए कहा है क्योंकि एकता में इतनी शक्ति होती है कि वह बड़ी से बड़ी रुकावटों को भी दूर कर सकती है सागर और पर्वत तो एक उदाहरण हैं यदि मनुष्य मिलकर काम करे तो कठिन लक्ष्य भी आसान हो जाता है |

10 गीत में सीने और बाँहों को फ़ौलादी क्यों कहा गया है?

उत्तर:- ईश्वर ने हमारी बाँहों और सीने को असीम ताकत दी है| यह ताकत हवाओं का रुख मोड़ सकती है और आसमान को भी झुका सकती है| यही कारण है कि गीत में सीने और बाँहों को फौलादी कहा गया है |

11 यह कविता हमें क्या प्रेरणा देती है ?

उत्तर:- यह कविता हमें मिलजुल कर काम करने की , एक दूसरे की मदद करने , देश के लिए सोचने और मेहनत करने की प्रेरणा देती है | यह कविता देशवासियों को एक सूत्र में बाँधने का काम करती है |